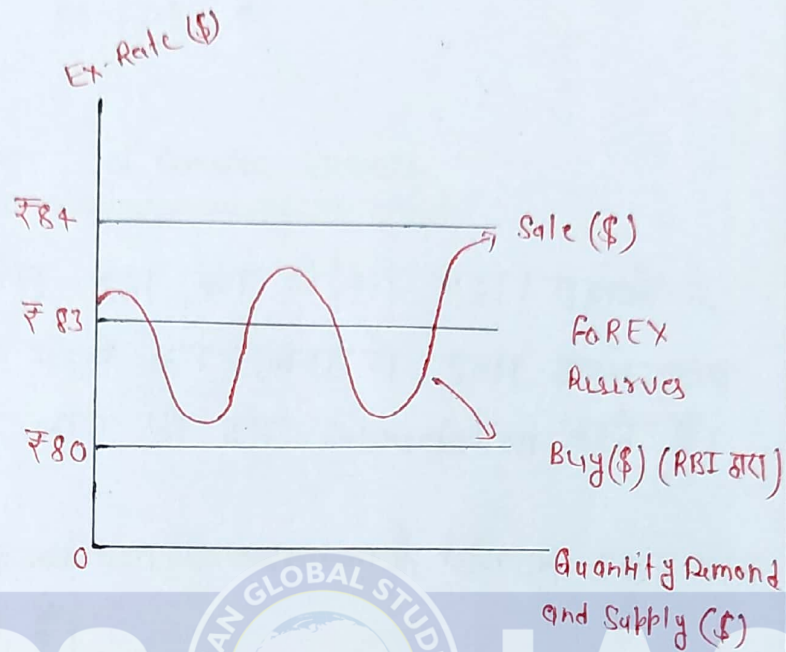


B- 14

L- 36

Economy.

प्रबंधकीय लचीली विनिमय दर



Buy (\$) (RBI)



Impact



Money Supply ↑



Inflation ↑ बढ़ेगा



इस प्रकार प्रभाव को समाप्त करना

OMO - Sale - Gov-Sec (PT-2023)



Sterilisation Flow ↑

- Interest Rate ↓
- NRI Deposits ↑
- FDI ↑

Depreciation of Domestic Currency

यदि घरेलू मुद्रा का विदेशी मुद्रा/मुद्राओं के सापेक्ष में पहले की तुलना में मूल्य अपने आप कम हो जाए तो इसे Depreciation कहते हैं।

Note - Depreciation/Devaluation के परिणाम एक समान होते हैं।

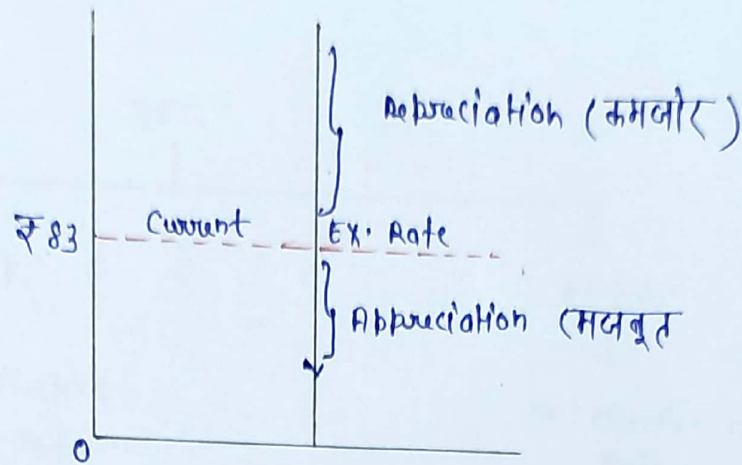
Appreciation of Domestic Currency :-

यदि विदेशी मुद्रा का मूल्य विदेशी मुद्रा/मुद्राओं के सापेक्ष में पहले की तुलना में अपने आप अधिक हो जाए तो इसे appreciation कहते हैं।

Note:- appreciation/Devaluation दोनों के प्रभाव एक समान होते हैं।

Depreciation/Appreciation को एक चित्र द्वारा दिखाया जा सकता है।

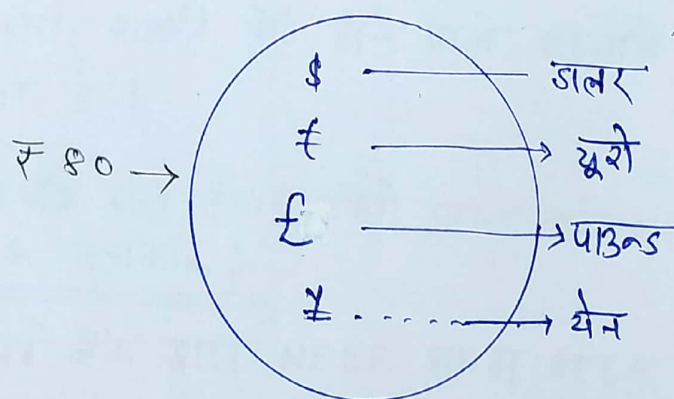
Exchange Rate (\$)



Depreciation / appreciation of Domestic currency.

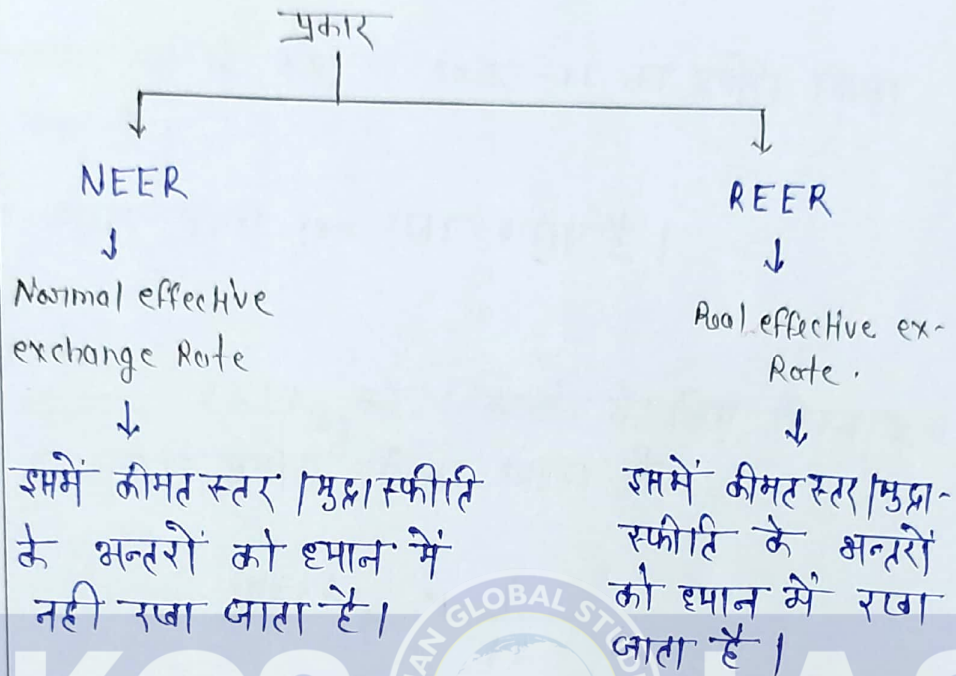
प्रभावी विनिमय दर (Effective Exchange Rate)

अर्थात् - विदेशी मुद्राओं की एक टोकरी के संदर्भ में विनिमय दर।



उपरोक्त के आधार पर भारतीय रुपये का विदेशी मुद्राओं के संदर्भ में प्रभावी विनिमय दर

$\frac{1}{80}$ होगी।



Note:-

NEER और REER दोनों में होने वाले बदलावों से संबंधित देश की प्रतियोगी शक्ति में होने वाले बदलावों का पता लगता है।

रिजर्व बैंक द्वारा तैयार किये जाने वाले NEER और REER सूचकांक :-

रिजर्व बैंक द्वारा NEER अथवा REER के लिए निम्न दो Currency Baskets का प्रयोग किया जाता है।

(i) 6-currency Basket

(ii) 40-currency Basket

• आधार वर्ष के रूप में 2015-16 का प्रयोग किया गया है।

• आधार मूल्य 100 रखा गया है।

Note:-

REER_(रु) को निकालने के लिए निम्न सूत्र का प्रयोग किया जाता है -

$$(NEER)_{रु} \times \frac{P}{PF}$$

यहाँ पर,

$P \rightarrow$ घरेलू कीमत स्तर (H)

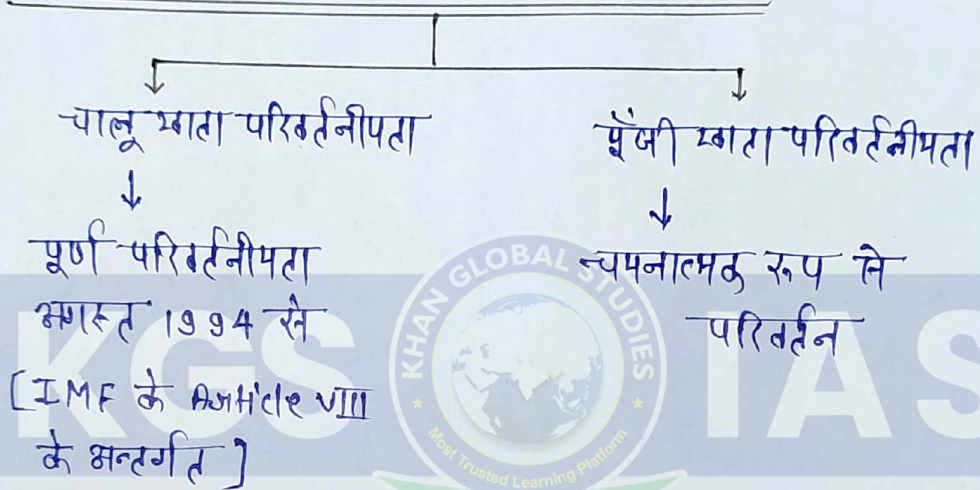
$PF \rightarrow$ विदेशी कीमत स्तर

मुद्रा की परिवर्तनीयता :-

उपारीकरण से जुड़ी एक अवधारणा जिसके अन्तर्गत BoP लेन-देनों के लिए लोगों द्वारा स्वदेशी मुद्रा को विदेशी मुद्रा में और विदेशी मुद्रा को स्वदेशी मुद्रा में आसानी से बदला जा सकता है।

इसके अन्तर्गत BoP से जुड़ी विभिन्न प्रकार के लेन-देनों से संबंधित प्रतिबंधों नियंत्रणों सीमाओं औपचारिकताओं आदि को या तो हटा दिया जाता है या उन्हें पपट्टि रूप से ढीला कर दिया जाता है।

भारतीय रूपरेखा की परिवर्तनीयता



Note:-

इस प्रकार, यह कहा जा सकता है कि भारतीय रूपरेखा पूर्ण परिवर्तनीय नहीं है।

पूर्ण परिवर्तनीयता पर जाने के लिए

fully Capital Acc Convertibility को लागू करना होगा। इस सन्दर्भ में तारापोर समिति का दो ^{बोर्ड} गठन किया गया है। 1996, 2006) लेकिन कई कारणों से इसे लागू नहीं किया जा सका।